Hydel Power Projects in Andhra Pradesh

*435. SHRI TALARI MANOHAR: Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) whether any survey has been conducted for installation of hydel power projects in Andhra Pradesh; and

(b) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF POWER IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRIMATI SUSHILA ROHATGI): (a) and (b) According to the Hydro-electric Potential Reassessment Study carried out by the Central Electricity Authority, the hydro-electric potential of Andhra Pradesh is estimated at 2909 MW at 60 per cent load factor.

Agreements for Foreign Trade Mark

*436 SHRI KAPIL VERMA:

SHRI SURESH KALMADI:

Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Registration of Trade Marks has refused use of certain Registered foreign trade marks and the matter has been taken to a Court of Law and if so, the names of the companies and the trade mark involved; and

(b) whether for T.V. (colour and black and white) the policy of not using foreign trade marks has been gazetted, and if so, the reasons for which similar gazette has not been issued for Foreign Trade Marks in respect of other consumer goods?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI J. VENGAL RAO): (a) No, Sir. Under Section 28 of the Trade and Merchandise Marks Act, 1958, the Registered Proprietor has the right to the use of the trade mark in relation to the goods in respect of which the mark is registered. However, if the trade mark is to be used by a person other than the Registered Proprietor, then a joint application may be made by both the Registered Proprietor and the proposed Registered User for registration as registered user.

(b) Foreign brand names are not allowed in the manufacture and sale of black and white and colour T. V. sets as per the Resolution No 23(20)| Secy(EC) dt. 1-1-86 of the Department of Electronics, published in the Gazette of India as a part of the overall T. V. Policy. All foreign collaboration approvals contain a standard condition that use of foreign brand names will not be allowed on products meant for internal sales.

त्रिवेणी स्ट्रक्चरल्स और भारत पम्पस् एण्ड कम्प्रेशर्स लि०

*437. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय :** क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) 31 अक्तूबर, 1987 की स्थिति के अनुसार त्रिवेणी स्ट्रक्चरल्स लिमिटेड और भारत पम्पस एण्ड कम्प्रेशर्स लिमिटेड, नैनी, इलाहाबाद को कुल कितनी धन राशि का घाटा हुआ ;

(ख) इन घाटों के क्या कारण हैं और उनके लिए कौन-कौन जिम्मेदार है ; और

(ग) सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए क्या कार्यवाही कर रही है कि ये कम्पनिया अपने घाटे पूरे कर लें और लाभ पर चले ?

उद्योग मंत्री (श्री जे० वेंगल राव) : (क) 31-3-1987 को दो कम्पनियो द्वारा उठायी गई सचित हानियो निम्न-प्रकार है :—

त्रिवेणी स्ट्रक्चरल्स लि० (टी०एस०एल०)— 7,39,28,000 रु०

भारत पम्पस एण्ड कम्प्रेशर्स लिमिटेड (बी०पी०मी०एल०)—18,91,33,856 रु०

वित्तीय वर्ष की समाप्ति के बाद वर्ष 1987-88 के लेखो को अन्तिम रूप दिया जायेगा।

(ख) हानि के कारण निम्नलिखित है:—

टी०एस०एल०—(1) ब्याज का भारी बोझ।

(2) निम्न वर्धित मूल्य के क्रयादेश।

(3) कामगारो, स्टाफ और कार्यकारियो के वेतन मे समय-समय पर सशोधन।

(4) छोटी प्राइवेट पार्टियो की ओर मे बढी हुई प्रतियोगिता के कारण बुक किये गये क्रयादेश की खराब स्थिति के फलस्वरूप संसाधनो का कम उपयोग।

(5) आयात मे विलम्ब के परिणामस्वरूप निर्धारित लागत मे वृद्धि।

(6) पिछले समय मे बिजली की अपर्याप्त सप्लाई और बिजली मे कटौती।

बी०पी०सी०एल०—

(1) शेल फोजिंग्स, सेन्ट्रीफ्यूगल पम्पो और सिलेन्डरो के लिए क्रयादेश की प्राप्ति मे कमी।

(2) आयातित और स्वदेशी सामानो क प्राप्ति में विलम्ब।

(3) रुपये की तुलना मे डी०एम०, येन और डालर के मूल्यो मे वृद्धि के कारण सामानो के मूल्य मे वृद्धि।

(4) बिक्री मूल्य कम था क्योकि अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता मे विदेशी सम्भरको ने मूल्य घटा दिये थे।

(5) तदर्थ भुगतान और अन्तरिम राहत की मजूरी से कर्मचारियो को भुगतान की जाने वाली राशि में वृद्धि।

(6) रुपये की तुलना मे डी०एम०के मूल्य मे वृद्धि के कारण ग्राहकों के ऋण की किश्त के० एफ० डब्लू० को पुनर्भुगतान के विनिमय में अन्तर पड जाने से हानि

(7) पिछली हानियो मे ब्याज का भारी बोझ।

(ग) भारत यंत्र निगम लिमिटेड नामक एक धारक कम्पनी का गठन बी० पी०सी०एल० और टी०एस०एल० सहित छ: सहायक कम्पनियो के साथ किया गया है। धारक कम्पनी इन कम्पनियो के कार्य की मानटरिंग गहनता से करेगी, विपणन मे बेहतर रूप से सहायता करेगी और बी०पी०सी०एल० और टी एस०एल० सहित सहायक कम्पनियो के कार्य को उन्नत बनाने की दृष्टि से इन कम्पनियो का समग्ररूप से मार्गदर्शन करेगी।

Uniform Power Tariffs for NCR Townships

†438 SHRI J. P GOYAL: Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) what are the names of the townships comprising the National Capital Region,

(b) whether it is a fact that there are frequent breakdowns of power supply in NCR townships; if so, what are the details thereof,

(c) whether it is also a fact that the power tariff in Delhi and in NCR townships varies and if so, what are the reasons therefor, and

(d) what steps are being taken to fix uniform power tariffs for NCR townships and to ensure regular supply of power?